महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी0जी0) कॉलेज
फिरोजाबाद

(NAAC Accredited : B+ Grade)

सम्बद्धः डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

Teacher Re- Skilling Cell
शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ
रिपोर्ट
सत्र 2022–2023

डॉ. अन्जु शर्मा
प्राचार्या

डॉ0 फरहा तबस्सुम
समन्वयक
शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय (पी0जी0) कालेज, फिरोजाबाद
शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ कार्यशाला
02 मई 2023

महात्मा गाँधी बालिका विद्यालय पी0जी0 कालेज, फिरोजाबाद के तत्वावधान में शिक्षक–प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 02 मई 2023 को किया गया। कार्यशाला का शीर्षक था **'इन्डक्शन ऑफ टीचिंग टूल्स फॉर कम्प्यूटर एडेड एजुकेशन'**

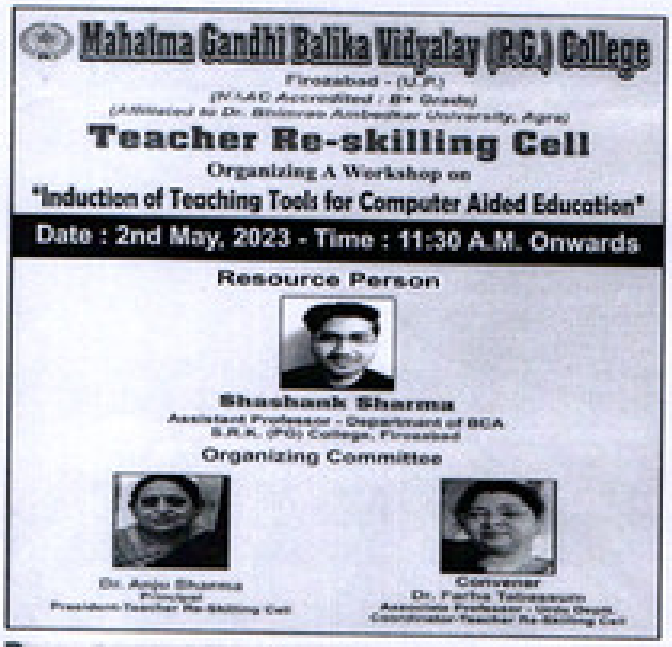

कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 अन्जु शर्मा तथा कार्यशाला के मुख्य अतिथि वक्ता इंजीनियर शशांक शर्मा असि0 प्रोफेसर बी0सी0ए0 डिपार्टमेन्ट एस0आर0के0 कालेज, फिरोजाबाद थे कोर्डिनेटर डा0 फरहा तबस्सुम और प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों के द्वारा माँ सरस्वती के माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन से किया गया। प्रकोष्ठ की कोर्डिनेटर डा0 फरहा तबस्सुम (एसो0 प्रो0 उर्दू) ने प्राचार्या, मुख्य अतिथि वक्ता, प्रकोष्ठ के सदस्य कु0 रीता दीक्षित, प्रो0 प्रियदर्शिनी उपाध्याय, डा0 राज्यश्री मिश्रा, डा0 निष्ठा शर्मा, डा0 अनीता चौरसिया तथा डा0 उपेन्द्र शर्मा का सर्वप्रथम स्वागत किया और कार्यशाला के विषय का उन्मुखीकरण करते हुये कहा कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननि है। आज के दौर में डिजिटल माध्यम से शिक्षा अति आवश्यक हो गई है। अतः कम्प्यूटर द्वारा विभिन्न माध्यमों से शिक्षण की जानकारी शिक्षकों को होनी जरूरी है। तभी शिक्षक आने वाली नई पीढी को, अपने विद्यार्थियों को इस उपयोगी माध्यम के द्वारा शिक्षा–प्रदान करेंगे।

इंजी0 शशांक शर्मा ने शिक्षा में नई तकनीक के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि जो भी लर्निंग टूल्स हम साधारण तौर पर इस्तेमाल करते है, जैसे कि गूगल मीट, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लासरूम, जूम इत्यादि। सभी आज आवश्यक है। टीचर और स्टूडेन्ट के बीच के गैप को इस तकनीक के द्वारा कम किया जा सकता है। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के

अर्न्तगत एजुकेशनल सॉफ्टवेयर, इनटरेक्टिव व्हाइट बोर्ड, गेमीफिकेशन और वर्चुअल व ऑगमेन्टिड रिएलटी को विस्तृत रूप से समझाया। ऑगमेन्टिड और वर्चुअल यानि कि AR और VR. VR में हेड सेट दिया जाता है जो पूरी तरह सुरक्षित है। AR में केरल के प्राइमरी स्कूल का उदाहरण देते हुये बताया कि सॉफ्टवेयर के द्वारा थ्रीडी (3D) इफेक्ट आता है। (LMS) एल0एम0एस0 के फीचर, उसका प्रयोग, कितने प्रकार से उसका प्रयोग करते है, सहज और सरल रूप में प्रोजेक्टर के द्वारा दर्शाते हुये बताया। लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्रकारों को, किस तरह कितना बड़ा डेटा हम रख सकते है– उनमें क्लाउड बेस्ड, सेल्फ होस्टिड, डेस्कटॉप एप्लीकेशन और मोबाइल एप्लीकेशन के बारे में कहा– जैसे कि क्लाउड बेस सबसे अधिक डेटा के लिये उपयुक्त है लेकिन महंगा भी सबसे ज्यादा है। विश्वविद्यालय आदि बड़े बड़े संस्थानों के लिये उपयोगी एवं उपयुक्त है। मूडल, ब्लैकबोर्ड लर्न, स्कूलॉजी, एडोब, टैलेन्ट एल0एम0एस0 ट्रैक स्टार, स्काई प्रेप आदि प्रमुख LMS की जानकारी देते हुये एजुकेशन सॉफ्टवेयर के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

डा0 अनीता चौरसिया ने मुख्य वक्ता शशांक शर्मा का परिचय दिया तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा कार्यशाला से उपयुक्त जानकारी का लाभ उठाया। कार्यक्रम में ऑफिस स्टाफ में श्री रामबाबू बघेल, श्री ऋषभ, श्री वीरेन्द्र और श्रीमती सिम्पी जैन का सहयोग रहा।

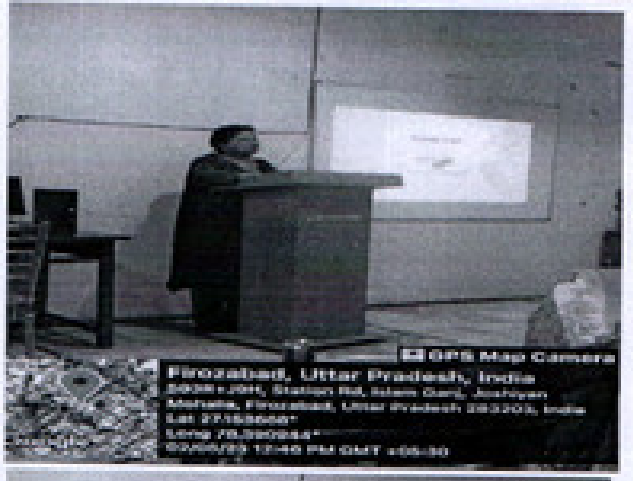

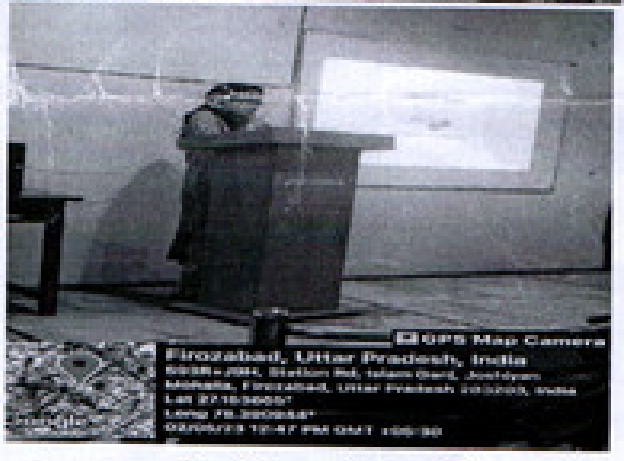

आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है: डॉ. फरहा

डा० अन्जु शर्मा
प्राचार्या
Principal
M.G.B.V. (P.G.) College
Firozabad

डा० फरहा तबस्सुम
एसो प्रोफेसर
उर्दू विभाग

शिक्षक प्रकोष्ठ के द्वारा कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार के [illegible] से युवक की मौत

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

महान गणितज्ञ रामानुजन की टेलीफिल्म से विद्यार्थियों में जाग्रत हुई गणित में रुचि

21 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटेंगे लाखों मुकदमे

फिरोजाबाद में अवैध हॉस्पिटलों की अब खैर नहीं

मतगणनाकर्मियों की सुरक्षा के लिए छावनी में तब्दील हुआ स्ट्रांग रूम

महिला शक्ति ने लगवाया छात्राओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने करीब 2 माह पूर्व विवाहिता दफन किया शव निकलवा कर भेजा पोस्टमार्टम को

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार दादी की मौत नाती घायल अन्य सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत

पूड़ी जुड़ाई करते समय लैंप में आग लगने से एक ही परिवार के 4 चार सदस्य झुलसे

बंटवारे को लेकर परिवार के लोगों में लाठी-डंडे चले पांच घायल

अज्ञात वृद्धा का शव मिलने से मचा हड़कंप

टिकट नहीं मिली तो प्रत्याशी को की गाली गलौज

उद्धव गोपी संवाद सुन भावविभोर हुए श्रोता गद्गद

आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है: डॉ. फरहा

- शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ ने आयोजित की कार्यशाला

अमर भारती संवाददाता

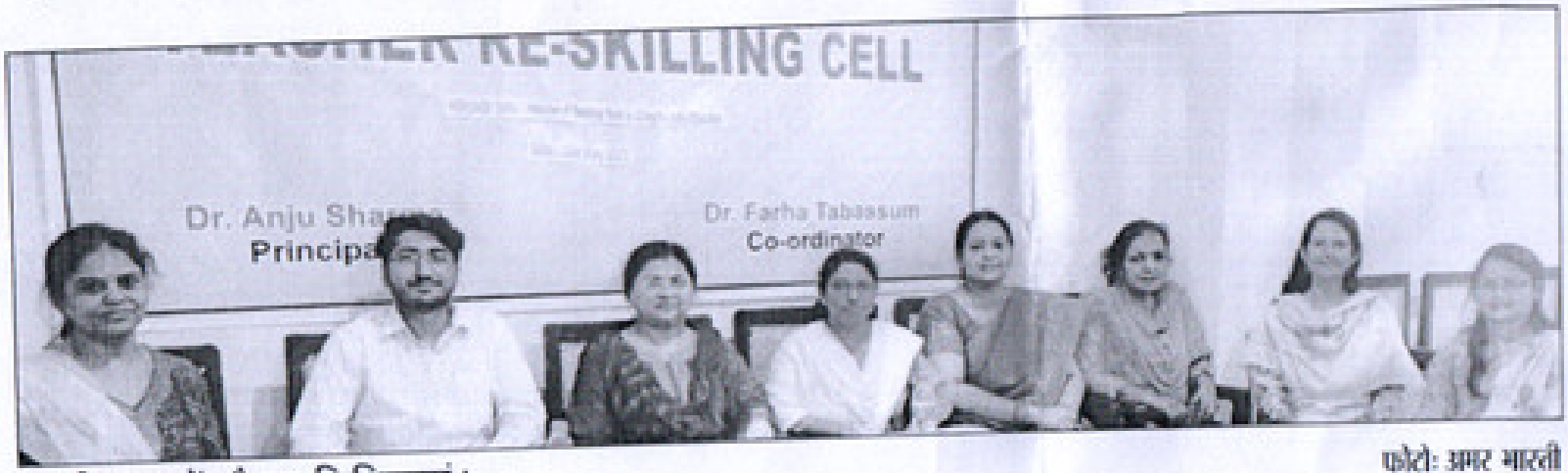

फोटो: अमर भारती

कार्यशाला में मौजूद शिक्षिकाएं।

फिरोजाबाद। महात्मा गांधी बालिका महाविद्यालय पीजी कॉलेज फिरोजाबाद के तत्वावधान में शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शीर्षक था इंडक्शन ऑफ टीचिंग टूल्स फॉर कंप्यूटर एडेड एजुकेशन। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजू शर्मा तथा कार्यशाला के मुख्य अतिथि वक्ता, इंजीनियर शशांक शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रकोष्ठ की सभी सदस्य भी उपस्थित रहे। आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. प्रियदर्शनी उपाध्याय ने मुख्य वक्ता का पुष्प देकर स्वागत किया। महाविद्यालय की प्रॉक्टर डॉ. रीता दीक्षित ने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजू शर्मा का पुष्प देकर स्वागत किया।

प्रकोष्ठ की कोऑर्डिनेटर डॉक्टर फरहा तबस्सुम ने प्रकोष्ठ के सभी सदस्य-डॉ. रीता दीक्षित, प्रोफेसर प्रियदर्शनी उपाध्याय, डॉक्टर राज्यश्री मिश्रा, डॉक्टर निष्ठा शर्मा, डॉ. अनीता चौरसिया, डॉ. उपेंद्र शर्मा का स्वागत किया और साथ ही शिक्षक वर्ग का भी स्वागत किया। प्रकोष्ठ कोऑर्डिनेटर डॉक्टर फरहा तबस्सुम ने कार्यशाला के विषय में उन्मुखीकरण करते हुए कहा कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। आज के दौर में डिजिटल माध्यम से शिक्षा अति आवश्यक हो गई है। अतः कंप्यूटर द्वारा विभिन्न माध्यमों से शिक्षण की जानकारी शिक्षकों को होनी जरूरी है। तभी शिक्षक आने वाली नई पीढ़ी को, अपने विद्यार्थियों को इस उपयोगी माध्यम के द्वारा शिक्षा प्रदान कर पाएंगे।

इंजीनियर शशांक शर्मा ने शिक्षा में नई तकनीकों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जो भी लर्निंग टूल्स हम आज साधारण तौर पर इस्तेमाल करते हैं जैसे कि गूगल मीट, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लासरूम इत्यादि सभी आज आवश्यक हैं। टीचर और स्टूडेंट के बीच के गैप को इस तकनीक के द्वारा कम किया जा सकता है। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत एजुकेशन सॉफ्टवेयर इंटरएक्टिव वाइटबोर्ड रैमीफिकेशन और वर्चुअल ऑगमेंटेड रियलिटी को विस्तृत रूप से समझाया। डॉ अनीता चौरसिया ने मुख्य वक्ता शशांक शर्मा का परिचय दिया तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।